पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल ने जनपद हरदोई में सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित किया

आंगनबाड़ी केंद्रों से लेकर उच्च शिक्षा तक शिक्षा की एक सतत और सुसंगत प्रणाली होनी चाहिए

लिंगानुपात को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक

दहेज आज भी समाज में एक बड़े अपराध का कारण बना हुआ है, जिसे पूरी तरह समाप्त किए जाने की आवश्यकता है

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत जरूरतमंदों को निःशुल्क उपचार की सुविधा मिल रही है

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है

—राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ : 02 जून, 2025

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज जनपद हरदोई में सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित किया। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को 200 प्री स्कूल किट एवं हाईजिन किट, पोषण अभियान के अन्तर्गत 59 पोषण पोटली, 20 आयुष्मान कार्ड, स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजनान्तर्गत 20 टेबलेट, स्वामित्व योजनान्तर्गत 50 घरौनी, कन्या सुमंगला योजनान्तर्गत 20 स्वीकृति पत्र, स्पान्सरशिप योजनान्तर्गत 10 स्वीकृति पत्र, 05 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना स्वीकृति पत्र, एन०आर०एल०एम० अन्तर्गत सी०सी०एल० का 50 प्रतीकात्मक चेक,

मुद्रा योजनान्तर्गत 20 ऋण प्रतीकात्मक चेक वितरण पत्र, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजनान्तर्गत 10 ऋण स्वीकृति पत्र, 50 प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि स्वीकृति पत्र, कृषि यंत्रीकरण योजनान्तर्गत ट्रेक्टर की चाबी, जीरो पावर्टी योजनान्तर्गत 20 अन्त्योदय नवीन राशन कार्ड, वृद्धावस्था योजनान्तर्गत 20 स्वीकृति पत्र, सी०एम० युवा उद्यमी अभियान के अन्तर्गत 20 प्रतीकात्मक चेकों का वितरण किया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का अवलोकन एवं 25 दिव्यांगजनो को ट्राईसाइकिल का वितरण किया तथा 100 किशोरियों को एच०पी०वी०टीकाकरण का प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। आंगनबाड़ी केंद्रों से लेकर उच्च शिक्षा तक शिक्षा की एक सतत और सुसंगत प्रणाली होनी चाहिए, ताकि विकसित भारत के सपने को साकार किया जा सके। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि देश और प्रदेश दोनों ही स्तरों पर इस दिशा में सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। महिलाओं की स्थिति पर चर्चा करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि लिंगानुपात को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। इसके लिए सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बेटियों का समुचित पालन–पोषण और उन्हें आगे बढ़ाने की दिशा में निरंतर प्रयास होने चाहिए, क्योंकि आज की बेटियाँ किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। वे सब कुछ कर सकती हैं। उन्होंने सभी से अपने जीवन में अनुशासन अपनाने और कौशल विकास की दिशा में सतत प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भागीदार बताया।

दहेज की समस्या पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि दहेज आज भी समाज में एक बड़े अपराध का कारण बना हुआ है, जिसे पूरी तरह समाप्त किए जाने की आवश्यकता है। सास–बहू के संबंधों में सास को बहू को अपनी बेटी की तरह अपनाना चाहिए। इसके लिए समाज में व्यापक जागरूकता लाने की जरूरत है। उन्होंने सभी को अपने बुजुर्गों की सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में हो रहे प्रयासों की चर्चा करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि आज भारत में महिलाओं के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हो रहा है। प्रधानमंत्री मुद्रा

योजना, स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। यह परिवर्तन हम सब अपनी आंखों के सामने देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज किसान अपने उत्पाद विदेशों तक भेज रहे हैं। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत जरूरतमंदों को निःशुल्क उपचार की सुविधा मिल रही है और अब 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को भी इसका लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान महिलाओं के नाम पर दिए जा रहे हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि 9 से 14 वर्ष की सभी बालिकाओं को एच0पी0वी0 वैक्सीन अवश्य लगवाना चाहिए, जिससे वे भविष्य में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रह सकें।

कार्यक्रम में बाल विकास पुष्टाहर विभाग (आंगनवाड़ी) तथा प्राथमिक विद्यालयों की बाल वाटिका के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यकम प्रस्तुत किया गया। विश्व विद्यालय के विद्यार्थियों ने संबोधन भी दिया। कार्यक्रम में जनपद के आँगनबाड़ी केंद्रों की महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर एक वीडियो क्लिप भी दिखाई गयी।

माननीय राज्यमंत्री उच्च शिक्षा श्रीमती रजनी तिवारी ने कहा कि माननीय राज्यपाल महोदया ने आंगनबाड़ी केंद्रों के विकास का बीड़ा उठाया। उन्होंने सभी को प्रेरणा देने का कार्य किया है। उत्तर प्रदेश राज्यपाल के रूप में उनको पाकर बहुत गौरवान्वित है। बच्चों के विकास की प्रथम भूमिका में आँगनबाड़ी कार्यकत्री ही आती हैं। उन्होंने राज्यपाल जी की हालिया पुस्तक ''चुनौतियां मुझे पसन्द हैं'' की सराहना की।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रेमावती ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री माँ से लेकर बच्चे तक के पोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बच्चे जो छोटी उम्र में देखते है वह उनके मानस पटल पर अंकित हो जाता है। आँगनबाड़ी कार्यकत्रियों की समाज में महत्वपूर्ण भूमिका है। जिलाधिकारी श्री अनुनय झा ने जनपद के आँगनबाड़ी केंद्रों की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने शिशुओं, धात्री महिलाओं व कुपोषित बच्चों के लिए किये जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से बताया।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण सहित जिला प्रशासन के अधिकारीगण तथा अन्य महानुभाव उपस्थित थे।

———————

सम्पर्क सूत्र
डॉ0 संगीता चौधरी,
सूचना अधिकारी, राजभवन
मो0–9161668080